दावा : डाक लाइफजिंग के तीन फिल्म महोत्सवों के चुनिंदा 19 वृत्तचित्रों का होगा प्रदर्शन

अमेरिका में भी हुआ था एक 'चिपको आंदोलन'

- युवाओं ने पेड़ों को बचाने के लिए चलाई थी मुहिम

जोका, भीमताल: उत्तराखंड के चिपको आंदोलन की तर्ज पर अमेरिका में भी युवाओं ने पेड़ों को बचाने के लिए मुहिम चलाई थी। पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक समस्या को अमेरिका के परिप्रेक्ष्य में वृत्तचित्र 'इफ द ट्री फाल्स' में उठाया गया। इसका प्रदर्शन भीमताल में सात से 11 मार्च तक होने वाले अंतरराष्ट्रीय वृत्तचित्र महोत्सव में किया जाएगा। दरअसल, पर्यावरण संरक्षण के तहत पेड़ों को बचाने की मुहिम अमेरिकी युवाओं ने भी चलाई थी। इस समस्या को वृत्तचित्र 'इफ द ट्री फाल्स' में निर्देशक मार्शल करी और सैम कलमन ने उठाया। इसमें पेड़ों को बचाने के लिए युवाओं का संघर्ष, पर्यावरण के प्रति उनका नजरिया, वहां का प्रशासनिक दृष्टिकोण और आंदोलन के दौरान आए संकट को फिल्माया गया है। आयोजक संस्था फार मीडिया की कोषाध्यक्ष नीलिमा माथुर व वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद माथुर का दावा है कि महोत्सव में प्रदर्शित होने वाले सभी 19 वृत्तचित्र जर्मन संस्था डाक लाइफजिंग के 2010-12 के तीन फिल्म महोत्सवों की चुनिंदा डॉक्युमेंट्री हैं।

प्रमोद व नीलिमा माथुर।

अभाव है स्वस्थ बहस का

नीलिमा बताती हैं कि मौजूदा दौर में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। वृत्तचित्र की बात होते ही सबसे पहले बजट का प्रश्न आता है। विषय पीछे धकेल दिया जाता है। दरअसल, इस मुद्दे पर स्वस्थ बहस का अभाव है और उससे भी ज्यादा रचनात्मक गतिविधियों का। प्रमोद बताते हैं कि राष्ट्रीय से लेकर सभी राज्य फिल्म विकास निगमों के पास वृत्तचित्र के लिए कोई बजट नहीं होता। इसीलिए यहां वृत्तचित्र की परंपरा नहीं पनप पा रही। विदेशों में वृत्तचित्रों का जनता को इंतजार रहता है। कई समस्याओं को जनता ने वृत्तचित्रों से ही जाना। वृत्तचित्र महोत्सव भीमताल में कराने का उद्देश्य यहां डॉक्युमेंट्री की संभावना तलाशने के साथ लोगों को इस क्षेत्र में जागरूक करना है।

ये वृत्तचित्र होंगे प्रदर्शित

स्ट्रीम ऑफ लाइफ (फिनलैंड), पीस ऑफ समर (पोलैंड), गुड नाइट नोबडी (स्विटजरलैंड), माजा ऑन एयर (ईजिप्ट व फिलस्तीन), फार्ट ऑफ मेमोरीज (इंडिया-यूके), देयर वाज ए आइलैंड (नीदरलैंड), द वूमन विद फाइव एलीफैंट्स (जर्मनी), ऑल दैट ग्रेटर (चेक रिपब्लिक), आइ विल फॉरगेट दिस डे (रूस), अर्जेनटिन लेसन (पोलैंड), द टायनिस्ट प्लेस (मैक्सिको), वर्क हार्ड प्ले हार्ड (जर्मनी), टाकिंग योर ऑन शूज (कनाडा), ल्यूजा (जर्मनी), कुक ऑफ मेरी (डेनमार्क), द डलेसिस (स्पेन), पुशिंग हिस्ट्री (आस्ट्रेलिया, चेकोस्लोवाकिया व चेक रिपब्लिक), इन बिटवीनर (स्वीडन), इफ द ट्री फाल्स (अमेरिका)। ये सभी वृत्तचित्र सामाजिक समस्या, ऐतिहासिक महत्व, पर्यावरण, पद्यात्मक शैली पर आधारित हैं।

DAINIK JAGRAN - FEB 19, 2013